देना हो तो दीजिये.....

देना हो तो दीजिये, जन्म जन्म का साथ,
मेरे सिर पर रख दो मैया, अपने दोनों हाथ।
तेरा उपकार होगा, तेरा एहसान होगा।।

एक जन्म में सेवा देकर, बहुत बड़ा एहसान किया,
तू ही नैया तू ही खेवैया, मैंने तुम्हें पहचान लिया।
मेरा रास्ता रोशन कर दे, छाई अंधियारी रात।।
देना हो तो दीजिये.....

झुलस रहे है गम की धूप में, प्यार की छैया कर देना,
बिन पानी के नाव चले ना, अब पतवार पकड़ लेना।
हम साथ रहे कई जन्मों, बस रखना इतनी बात।।
देना हो तो दीजिये.....

मैंने सुना है शरणागत को अपने गले लगाती हो,
ऐसा हमने क्या मांगा जो देने में सकुचाती हो।
चाहे सुख में रख या दुःख में, बस होती रहे मुलाकात।।
देना हो तो दीजिये.....